मास्टर प्लान पर 15 नवंबर तक दें सुझाव

भास्कर न्यूज | पटना

नगर विकास मंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि विशेषज्ञ और आम लोग अब 15 नवंबर तक पटना मास्टर प्लान पर सुझाव और आपत्ति दर्ज करा सकेंगे। मास्टर प्लान पर सुझाव देने के लिए लोगों को एसएमएस अलर्ट के माध्यम से जागरूक किया जाएगा। वे रविवार को मास्टर प्लान पर आयोजित सेमिनार में बोल रहे थे। इसमें मास्टर प्लान से जुड़े सभी स्टेक होल्डर को आमंत्रित किया गया था।

मंत्री ने कहा कि 14 अगस्त को पटना मास्टर प्लान 2031 को पब्लिक डोमेन में डाला गया है। इस पर आ रहे सुझावों को मास्टर प्लान में शामिल किया जा रहा है। मास्टर प्लान के पास नहीं होने के कारण बिल्डिंग बायलाज लागू करने में देरी हो रही है। मंत्री ने आशा जताई कि अगले साल मास्टर प्लान को अंतिम रूप से प्रकाशित कर दिया जाएगा। मंत्री ने कहा कि उद्योगों के लिए दो फीसदी जमीन का आवंटन किया गया है। इसे बढ़ाया जाएगा। राजधानी के बाहरी इलाके में बनने वाले तीन आउटर रिंग रोड के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी। एयरपोर्ट के लिए केन्द्र को पत्र लिखा गया है। कनेक्टिविटी नहीं होने के कारण सोनपुर और हाजीपुर के इलाके को मास्टर प्लान में शामिल नहीं किया गया है। सेमिनार में लोगों ने मास्टर प्लान की कमियों की ओर इंगित करते हुए इसे दूर करने का आग्रह किया। सेप्ट के प्रतिनिधि ने मास्टर प्लान पर प्रजेंटेशन दिया।

ये हुए शामिल

अरुण कुमार सिन्हा, भाई वीरेन्द्र, नितिन नवीन, अफजल इमाम, डा. बी राजेन्दर, कुंदन कृष्णन, कुलदीप नारायण, जय सिंह, केपीएस केशरी, एन के ठाकुर, मणिकांत, रंजन कुमार।

ये आए सुझाव

- मास्टर प्लान को 50 साल को ध्यान में रखकर बनाया जाए।
- सरकारी संस्थानों का निर्माण राजधानी के बाहरी इलाके में किया जाए। ताकि उन इलाकों का विकास हो सके।
- आयुक्त और मेयर की लड़ाई में राजधानी की दयनीय स्थिति पर भी लोगों से सवाल उठाए।
- एयरपोर्ट कहां रहेगा, अभी तक तय नहीं।

नक्शा साफ नहीं

ड्राफ्ट पटना मास्टर प्लान-2031 पर आपत्ति और सुझाव के लिए निगम कार्यालय में नक्शा का फ्लैक्स प्रिंट टांगा गया है। यह मुख्य प्रवेश द्वार के सामने है। प्रिंट में कुछ भी स्पष्ट नहीं है। आपत्ति और सुझाव के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की गई है। निगम कार्यालय में आने वाले नक्शा समझने की कोशिश करते हैं, लेकिन कुछ भी पता नहीं चलता है।

JetScreenshot.com